

भारत और बांग्लादेश देश का राजनैतिक परिदृश्य पर विचार

अनुपम कुमारी, अनुसन्धान विद्वान, राजनीति विज्ञान विभाग, ओ पी जे एस यूनिवर्सिटी, चूरू (राजस्थान)

सारांश

भारत और बांग्लादेश दक्षिण एशिया के दो महत्वपूर्ण पड़ोसी देश हैं, जिनके राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सामरिक संबंध क्षेत्रीय राजनीति को प्रभावित करते हैं। दोनों देशों की राजनीतिक व्यवस्थाओं की अपनी विशिष्ट ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, संस्थागत संरचनाएँ और लोकतांत्रिक प्रक्रियाएँ हैं। भारत में संसदीय लोकतंत्र, संघीय व्यवस्था और बहुदलीय राजनीतिक प्रतिस्पर्धा इसकी राजनीति की प्रमुख विशेषताएँ हैं, जबकि बांग्लादेश की राजनीति पर स्वतंत्रता संग्राम, राष्ट्रवाद, दलगत प्रतिस्पर्धा तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं के विकास का गहरा प्रभाव रहा है। भारत और बांग्लादेश के द्विपक्षीय संबंधों में व्यापार, सीमा प्रबंधन, नदी जल बंटवारा, ऊर्जा, सुरक्षा, संपर्क एवं क्षेत्रीय सहयोग जैसे मुद्दे प्रमुख हैं। दोनों देशों के बीच सहयोग के साथ-साथ कुछ विषयों पर मतभेद भी समय-समय पर सामने आते रहे हैं। विशेष रूप से सीमा और साझा नदियों से जुड़े प्रश्न दोनों देशों की घरेलू राजनीति तथा विदेश नीति में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य को समझने के लिए दोनों देशों की आंतरिक राजनीति और परस्पर संबंधों को एक-दूसरे से जोड़कर देखना आवश्यक है। यह अध्ययन भारत-बांग्लादेश संबंधों के राजनीतिक आयामों, प्रमुख चुनौतियों तथा सहयोग की संभावनाओं का विश्लेषण प्रस्तुत करता है और दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय स्थिरता में दोनों देशों की भूमिका को रेखांकित करता है।

मुख्य शब्द: भारत, बांग्लादेश, राजनीतिक परिदृश्य, लोकतंत्र, द्विपक्षीय संबंध, दक्षिण एशिया, विदेश नीति, सीमा विवाद, नदी जल बंटवारा, क्षेत्रीय सहयोग।

